जस्टिस फ्रैंक ऑर्थर सीपरसाद

न्यायमूर्ति फ्रैंक आर्थर सीपरसाद को सामुदायिक कल्याण और शिक्षा के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

न्यायमूर्ति सीपरसाद एक प्रसिद्ध न्यायविद् हैं और आपको अप्रैल 2012 में त्रिनिदाद और टोबैगो के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। आप एक सम्मानित राष्ट्रीय व्यक्तित्व हैं, जो सत्याग्रह के गांधीवादी सिद्धांत को अपनाने का प्रचार करते हैं और 'पंचायत' को एक प्रभावशाली विवाद निपटान तंत्र मानते हैं।

आप नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर अपने निर्णयों के लिए जाने जाते हैं और भारतीय न्यायाधीशों की "नागरिक केंद्रित सक्रियता" का अनुकरण करते हैं। आप एक ऐसे संविधान का आह्वान करते हैं जो भारतीय संविधान की प्रासंगिकता और सापेक्षता को दर्शाता है। आप ह्यू वुडिंग लॉ स्कूल में एसोसिएट ट्यूटर भी हैं।

Justice Frank Arthur Seepersad

Justice Frank Arthur Seepersad has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for Community Welfare and Education.

Justice Seepersad is a well-known Jurist and was appointed as a Judge of the Supreme Court of Trinidad and Tobago in April 2012. He is a respected national figure, who propagates the adoption of the Gandhian principle of Satyagraha and recommends 'Panchayat' as an effective dispute resolution mechanism.

He is well regarded for his decisions on citizens' fundamental rights and emulates the "citizen focused activism" of Indian judges. He calls for a constitution which mirrors Indian Constitution's relevance and relatability. He is also an Associate Tutor at the Hugh Wooding Law School.